भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

23.07.2025 के

अतारांकित प्रश्न सं. 634 का उत्तर

कोल्लम में रेल विकास कार्य

634. श्री एन. के. प्रेमचंद्रन:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार का रेल विकास कार्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा करने का विचार है और यदि हाँ, तो इस पर क्या कार्रवाई की गई है;

(ख) कोल्लम रेलवे स्टेशन में रेल विकास कार्य की वर्तमान स्थिति क्या है और इसके पूरा होने की प्रस्तावित तिथि क्या है;

(ग) कोल्लम रेलवे स्टेशन में चाइनीज पैलेस के संरक्षण के लिए की गई कार्रवाई का ब्यौरा क्या है;

(घ) कुंदारा-पल्लीमुक्कु आरओबी के निर्माण के लिए की गई कार्रवाई का ब्यौरा क्या है और इसके पूरा होने की प्रस्तावित तिथि क्या है;

(ङ) क्या सरकार का उक्त आरओबी के निर्माण को रेलवे द्वारा 100 प्रतिशत लागत के वित्तपोषण हेतु रेलवे की विशेष योजना में शामिल करने का विचार है;

(च) यदि हाँ, तो इस पर क्या कार्रवाई की गई है; और

(छ) सरकार द्वारा कोल्लम लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र में आरओबी निर्माण कार्य को समय पर पूरा करने के लिए की गई कार्रवाई का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (छ): रेल मंत्रालय ने स्टेशनों के पुनर्विकास के लिए अमृत भारत स्टेशन योजना शुरू की है। अभी तक अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत विकास के लिए 1337 स्टेशनों

को चिह्नित किया गया है। वर्तमान में 105 स्टेशनों पर चरण-I का कार्य पूरा किया जा चुका है और कमीशन किया गया है तथा 1110 स्टेशनों पर कार्य शुरू किया गया है। इसके अलावा, कोल्लम रेलवे स्टेशन सहित केरल राज्य में स्थित 35 स्टेशनों को अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत विकसित करने के लिए चिह्नित किया गया है।

इन 35 स्टेशनों में से 33 स्टेशनों पर विकास कार्य शुरू किए जा चुके हैं। ये कार्य तेजी से किए जा रहे हैं। इनमें से कुछ स्टेशनों पर कार्यों की प्रगति निम्नानुसार है:

कोल्लम स्टेशन पर, सेवा भवन, सबस्टेशन, बहुमंजिला कार पार्किंग और पार्सल भवन, दक्षिण टर्मिनल खंड I (ब्लॉक ए और बी) का संरचना संबंधी कार्य पूरा किया जा चुका है। दक्षिण टर्मिनल खंड I (ब्लॉक सी), दक्षिण टर्मिनल खंड II का संरचना संबंधी कार्य, पैदल पार पुल, एयर कॉन्कोर्स और प्लेटफॉर्म शेल्टर का कार्य शुरू किया जा चुका है।

पुनालुर स्टेशन पर लिफ्टों, नए प्लेटफॉर्म शेल्टर, यात्री सूचना प्रणाली, गाड़ी संकेतन बोर्ड, सवारी डिब्बा संकेतन बोर्ड लगाने का कार्य पूरा किया जा चुका है और परिचलन क्षेत्र व पार्किंग एरिया में सुधार, पोर्टिको सहित स्टेशन एलीवेशन, पृथक पैदल मार्ग और नए प्रतीक्षालय का निर्माण कार्य शुरू किया गया है।

एर्नाकुलम टाउन में, पश्चिमी टर्मिनल भवन-खंड 1 तथा आवासीय टावर का संरचना संबंधी कार्य पूरा किया जा चुका है और ब्लॉक निर्माण कार्य एवं प्लास्टर लगाने का कार्य शुरू किया गया है। पैदल पार पुल के गलियारे की नींव का कार्य पूरा किया जा चुका है। छठी मंजिल के स्लैब का कार्य, ब्लॉक निर्माण कार्य और बहुमंजिला कार पार्किंग में प्लास्टर लगाने का कार्य शुरू किया गया है।

अमृत भारत स्टेशन योजना में दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ निरंतर आधार पर स्टेशनों के विकास की परिकल्पना की गई है। इसमें मास्टर प्लान तैयार करना और चरणबद्ध रूप में उनका क्रियान्वयन करना शामिल है, ताकि स्टेशनों पर स्टेशन पहुंच मार्ग में सुधार, परिचलन क्षेत्र, प्रतीक्षालय, शौचालय, आवश्यकतानुसार लिफ्ट/एस्केलेटर, प्लेटफार्म की सतह का कार्य और प्लेटफार्म पर कवर, साफ-सफाई, निशुल्क वाई-फाई, 'एक स्टेशन एक उत्पाद' जैसी योजनाओं के माध्यम से प्रत्येक स्टेशन की आवश्यकता को

ध्यान में रखते हुए स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क, बेहतर यात्री सूचना प्रणाली, एग्जीक्यूटिव लाउंज, व्यावसायिक बैठकों के लिए नामित स्थान, भू-दृश्यांकन आदि जैसी सुविधाओं में सुधार किया जा सके।

इस योजना में चरणबद्धता और व्यवहार्यता के अनुसार भवन सुधार, स्टेशन को शहर के दोनों ओर एकीकृत करना, मल्टी-मोडाल एकीकरण, दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएँ, टिकाऊ और पर्यावरण अनुकूल समाधान, आवश्यकतानुसार गिट्टी रहित पटरियों का प्रावधान, तथा दीर्घावधि में स्टेशन पर सिटी सेंटर का निर्माण शामिल है।

भारतीय रेल पर स्टेशनों का विकास/उन्नयन सतत और निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है और इस संबंध में आवश्यकतानुसार, पारस्परिक प्राथमिकता और निधियों की उपलब्धता के अध्यधीन कार्य किए जाते हैं। स्टेशनों के विकास/उन्नयन के लिए कार्यों की स्वीकृति और क्रियान्वयन के समय निम्न श्रेणी के स्टेशनों की तुलना में उच्च श्रेणी के स्टेशनों को प्राथमिकता दी जाती है।

अमृत भारत स्टेशन योजना सहित स्टेशनों के विकास/उन्नयन का वित्तपोषण सामान्यतः योजना शीर्ष-53 'ग्राहक सुविधाएँ' के अंतर्गत किया जाता है। योजना शीर्ष-53 के अंतर्गत आवंटन का विवरण क्षेत्रीय रेलवे-वार रखा जाता है, न कि कार्य-वार, स्टेशन-वार या राज्य-वार। कोल्लम रेलवे स्टेशन दक्षिण रेलवे के अधिकार क्षेत्र में आता है, जिसके लिए योजना शीर्ष-53 के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए कुल 1122 करोड़ रुपये (बजट अनुमान) का आवंटन किया गया है।

इसके अलावा, रेलवे स्टेशनों का विकास/पुनर्विकास/उन्नयन जटिल प्रकृति का है, जिसमें यात्रियों और गाड़ियों की संरक्षा शामिल है और इसके लिए विभिन्न सांविधिक मंजूरी जैसे अग्निशमन संबंधी मंजूरी, धरोहर, पेड़ों की कटाई, विमानपत्तन संबंधी मंजूरी आदि की आवश्यकता होती है। ब्राउन फील्ड संबंधी चुनौतियों जैसे उपयोगिताओं (पानी/सीवेज लाइनों, ऑप्टिकल फाइबर केबल, गैस पाइप लाइनों, बिजली/सिगनल केबल आदि) के स्थानांतरण, अतिलंघन, यात्रियों की आवाजाही में बाधा डाले बिना गाड़ियों का परिचालन, उच्च वोल्टेज बिजली लाइनों के निकट किए गए कार्यों के कारण गति प्रतिबंध आदि के कारण प्रगति प्रभावित होती है और ये कारक पूरा होने के समापन समय को प्रभावित करते हैं। अतः इस चरण पर कोई समय सीमा बताई नहीं की जा सकती है।

मदुरै मंडल के कोल्लम-सेंगोट्टई रेलखंड में एषुकोण-कुंडारा स्टेशनों के बीच कि.मी.748/1-2 पर समपार संख्या 526 के स्थान पर कुंदारा-पल्लीमुक्कू में ऊपरी सड़क पुल (आरओबी) के निर्माण का कार्य वर्ष 2012-13 में लागत में साझेदारी के आधार पर 37.24 करोड़ रुपये की लागत से स्वीकृत किया गया था।

यह कार्य दोहरी इकाई के आधार पर अर्थात रेलों का भाग रेलवे द्वारा और पहुँच मार्ग के कार्य का भाग राज्य सरकार, अर्थात रोड्स एंड ब्रिज डेवलपमेंट कोरपोरेशन ऑफ केरला लिमिटेड (आरबीडीसीके) द्वारा निष्पादित किया जा रहा है। अभी राज्य सरकार द्वारा भूमि अधिग्रहण किया जाना शेष है। सामान्य व्यवस्था आरेख (जीएडी) को मंजूरी दे दी गई है।

भारतीय रेल पर समपार के स्थान पर ऊपरी/निचले सड़क पुलों (आरओबी/आरयूबी) के कार्यों की स्वीकृति और निष्पादन सतत और निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है। ऐसे कार्यों को गाड़ी परिचालन में संरक्षा और गतिशीलता पर उनके प्रभाव तथा सड़क उपयोगकर्ताओं पर पड़ने वाले प्रभाव के आधार पर प्राथमिकता निर्धारित की जाती है और शुरू किया जाता है।

वर्ष 2004-14 की अवधि की तुलना में 2014-26 (जून 2025 तक) के दौरान भारतीय रेल पर निर्मित किए गए ऊपरी/निचले सड़क पुलों की संख्या निम्नानुसार है:

अवधि	निर्मित किए गए ऊपरी/निचले सड़क पुल
2004-14	4148
2014-26 (जून 2025 तक)	13426 (केरल राज्य में 118 अदद सहित)

दिनांक 01.04.2025 की स्थिति के अनुसार, भारतीय रेल पर 100860 करोड़ रुपये की लागत से 4402 ऊपरी/निचले सड़क पुलों के कार्यों को स्वीकृत किया गया है, जिनमें केरल राज्य में 4837 करोड़ रुपये की लागत से 140 अदद ऊपरी/निचले सड़क पुलों के कार्य शामिल हैं, जो योजना और कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों में हैं। इनमें से, केरल राज्य में 49 अदद ऊपरी सड़क पुलों के कार्य भूमि अधिग्रहण में विलंब के कारण रुका हुआ है।

वर्तमान में, कोल्लम संसदीय क्षेत्र में रैंप सहित 13 ऊपरी सड़क पुलों/पैदल पार पुलों के कार्य स्वीकृत किए गए हैं, जो नियोजन और कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों में हैं।

ऊपरी/निचले सड़क पुलों के कार्यों का पूरा होना और कमीशन करना समपार को बंद करने की सहमति प्रदान करने में राज्य सरकारों का सहयोग, पहुँच मार्ग संरेखण का निर्धारण, सामान्य व्यवस्था आरेख (जीएडी) का अनुमोदन, भूमि अधिग्रहण, अतिक्रमण हटाना, अतिलंघनकारी उपयोगिताओं का स्थानांतरण, विभिन्न प्राधिकरणों से सांविधिक मंज़ूरी, परियोजना/कार्य स्थलों के क्षेत्र में कानून व्यवस्था की स्थिति, जलवायु परिस्थितियों के कारण किसी विशेष परियोजना/क्षेत्र के लिए एक वर्ष में कार्यों की अवधि आदि जैसे विभिन्न कारकों पर निर्भर करता है। ये सभी कारक परियोजनाओं/कार्यों के पूरा होने के समय को प्रभावित करते हैं।

******